भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3895
11 **अगस्त**, 2023 **को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

योग को बढ़ावा देना

3895. श्री प्रज्ज्वल रेवन्ना:
डॉ. टी.आर. पारिवेन्धर:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गोवा स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान को अखिल भारतीय योग संस्थान का उपग्रह केन्द्र बनाकर इसमें से योग और प्राकृतिक चिकित्सा को हटाने के क्या कारण हैं;
(ख) क्या सरकार ने हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2023 के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम 'ओशन रिंग ऑफ योग' आरंभ किया है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
(घ) इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार संख्या कितनी है;
(ङ) क्या सरकार के पास देशभर के विद्यालयों/कॉलेजों में विद्यार्थियों द्वारा नियमित रूप से योगाभ्यास करने के लिए कोई विशेष योजनाएं/कार्यक्रम हैं; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली का एक सैटेलाइट सेंटर 11.12.2022 को गोवा में स्थापित किया गया है।

(ख) से (घ): जी हां। सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2023 (आईडीवाई-2023) के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम 'ओशन रिंग ऑफ योग' का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। यह कार्यक्रम आयुष मंत्रालय द्वारा रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय की सहायता से आयोजित किया गया था। आईडीवाई-2023 ओशियन रिंग ऑफ योग के हिस्से के रूप में, 19 भारतीय नौसेना जहाजों पर सवार लगभग 3500 नौसैनिक कर्मियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्रों में योग के राजदूत के रूप में 35,000 किमी से अधिक की यात्रा की थी। इसमें विदेशी बंदरगाहों/अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्रों पर 11 आईएन जहाजों पर 2400 से अधिक कर्मी शामिल थे। विशेष रूप से, भारतीय विदेशी मिशनों के साथ मिलकर कई विदेशी नौसेनाओं के जहाजों पर भी आईडीवाई समारोह की योजना बनाई गई थी, जिसमें 1200 से अधिक विदेशी नौसेना कर्मी सम्मिलित थे।

विदेशी बंदरगाहों पर भारतीय नौसेना के जहाजों द्वारा आईडीवाई-23 गतिविधियों की योजना मेजबान देश के जहाज के चालक दल और कर्मियों को शामिल करने के लिए बनाई गई थी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग के बारे में जागरूकता बढ़ाने और दुनिया भर में इसे अपनाने को सुगम बनाने के प्रयास की दिशा में, शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक पहलुओं को बढ़ाने की दिशा में समृद्ध करने की अपार संभावना को दर्शाने के लिए 'सामान्य योग प्रोटोकॉल' पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

(ङ) और (च): जी नहीं। वर्तमान में, आयुष मंत्रालय द्वारा देश भर के स्कूलों/कॉलेजों में छात्रों द्वारा नियमित रूप से योगाभ्यास करने की कोई विशेष योजना/कार्यक्रम नहीं है। तथापि, भारत में स्कूलों/कॉलेजों में योग का अभ्यास बहुत प्रचलित है।

*****